



पुलायार समुदाय और अन्नामलाई टाइगर रज़िर्व

चर्चा में क्यों?

तमलिनाडु के अन्नामलाई टाइगर रज़िर्व (Anamalai Tiger Reserve) की सीमा में स्थिति पुलायार समुदाय की दो आदवासी बस्तियों (कट्टूपट्टी और कुझपिट्टी) के लोग स्थानीय देवता, वीरपट्टन (Vairapattan) के वार्षिकोत्सव की तैयारी में लग गए हैं।

प्रमुख बट्टि:

पुलायार समुदाय के बारे में:

- पुलायार, जिसे पुलाया या होल्या भी कहा जाता है, केरल, कर्नाटक और तमलिनाडु में पाए जाने वाले प्रमुख सामाजिक समूहों में से एक है।
- पुलायार समुदाय को केरल और तमलिनाडु में अनुसूचित जाति (Scheduled Caste) के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- पुलायास अपने संगीत, शिल्प कौशल और कुछ वशिष्ट नृत्य के लिये जाने जाते हैं, जिनमें शामिल हैं,
 - कुलाम-थुलल (Kōlam-thullal) एक मुखौटा नृत्य (Mask Dance) है, जो इनके जादू टोना या झाड़-फूँक अनुष्ठानों (Exorcism rituals) का एक हिस्सा है।
 - मुदी-अट्टम (Mudi-āttam) नृत्य का उद्भव प्रजनन अनुष्ठान से माना जाता है।
- महात्मा अय्यंकाली (Mahatma Ayyankali) को 'पुलाया राजा' (Pulaya King) कहा था।
 - वर्ष 1893 में अय्यनकाली ने कुछ वशिष्ट हट्टि जातियों द्वारा सार्वजनिक सड़कों के प्रयोग पर तथाकथित अछूतों को 'प्रतर्बिधति' करने को चुनौती दी और सड़क पर बैलगाड़ी की सवारी करने वरिध दरज करवाया।
 - अय्यनकाली ने पुलायार समुदाय के अधिकारों की वकालत की और अय्यनकाली के नेतृत्व में हुए वरिध प्रदर्शनों के कारण ही वर्ष 1907 में तथाकथित अछूत माने जाने वाले समुदायों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखल करने का फरमान जारी किया गया।

अन्नामलाई टाइगर रज़िर्व:

- यह तमलिनाडु के चार टाइगर रज़िर्व में से एक है। यह दक्षिणी पश्चिमी घाट (Southern Western Ghats) का हिस्सा है।
- यह वर्ष 2003 में घोषित अनामलाई परंबिकुलम एलीफेंट रज़िर्व (Anamalai Parambikulam Elephant Reserve) का हिस्सा है।
- यह पूर्व में चिनार वन्यजीव अभयारण्य और दक्षिणी-पश्चिमी में एराविकुलम नेशनल पार्क (Eravikulam National Park) तथा परंबिकुलम टाइगर रज़िर्व (Parambikulam Tiger Reserve) से घिरा हुआ है।
- यह रज़िर्व केरल के नेनमारा वाज़चल, मलयततुर और मरयूर आरक्षित वनों से भी घिरा हुआ है।
- इस अभयारण्य में पाई जाने वाली पर्वत श्रेणियों में अमरावती (Amaravathi), उदुमलपेट (Udumalpet) पोलाची (Pollachi), उलेडी (Ulandy) और वलपरई आदि शामिल हैं।

मानवीय वविधिता:

- इस क्षेत्र में 3400 बस्तियों में रहने वाले छह जनजातियों के 4600 से अधिक आदवासी लोगों की महत्त्वपूर्ण मानवीय वविधिता पाई जाती है।
 - इन जनजातियों में कादर, मालासर, मलमलसर, पुलायार, मुदुवर और एरावलान शामिल हैं।

वनस्पति:

- इसमें नम सदाबहार वन (Wet Evergreen Forest) और अर्द्ध-सदाबहार वन (Semi-Evergreen Forest), मॉटाने घास के मैदान (Montane Grasslands), नम पर्णपाती (Moist Deciduous), शुष्क पर्णपाती (Dry Deciduous), कांटेदार वन (Thorn Forests) और दलदल (Marshes) शामिल हैं।

जीव-जंतु:

- यहाँ पाए जाने वाले महत्त्वपूर्ण स्तनधारियों में एशियाई हाथी, सांभर, चित्तीदार हरिण, बार्कगि हरिण, माउस हरिण, गौर, नीलगरि तिहर, बाघ, आदि

शामलि हैं ।

तमलिनाडु में अन्य संरक्षति क्षेत्र:

- [मुदुमलाई टाइगर रजिर्व](#)
- कालक्कड़ मुंडनथुराई टाइगर रजिर्व
- सत्यमंगलम टाइगर रजिर्व
- [नीलगरिबिायोसफीयर रजिर्व](#)
- [मुकुरती राष्ट्रिय उद्यान](#)
- समुद्री राष्ट्रिय उद्यान, मन्नार की खाड़ी
- गुईडी नेशनल पार्क

स्रोत: द हट्टू

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pulayar-community-and-anamalai-tiger-reserve>